

अलग करना, फेंकना, दूर करना, हटाना 3. फटफटाना।

फटकार स्त्री. (देश.) 1. 'फट' की ध्वनि, डाँटने, फटकारने की क्रिया या भाव 2. किसी वस्तु को तेजी से झटके से हिलाना, झटके से ऐसे हिलाना ताकि मिट्टी, धूल आदि झड़ जाए, झटकारना 3. अस्त्र आदि को इधर-उधर चलाना या घुमाना, कपड़े को पत्थर पर पटक-पटक कर धोना, क्रुद्ध होकर किसी से कही गई कड़ी बात जिससे वह अपनी गलती पर लज्जित या भयभीत हो, प्रताड़ना, डाँट, झिड़की, दुतकार, फिटकार, भर्त्सना, लानत, मलामत, प्रताड़ना।

फटकारना स.क्रि. (देश.) 1. झटकना, झाड़ना, कपड़े को धोते समय पत्थर आदि पर पटक कर उसे साफ करना, निचोड़े हुए कपड़े को सुखाने के लिए झटके से ऊपर से नीचे की ओर हिलाना, किसी को लज्जित करने या उसका अपमान करने के लिए क्रोधपूर्वक कड़ी बातें कहना, डाँटना, झिड़कना 2. फेंक देना।

फटकी स्त्री. (देश.) बाँस की खपच्चियों का पिंजड़ा जिसकी सहायता से चिड़ीमार चिड़ियाँ पकड़ते हैं, चिड़िया रखने का झाबा दे. फटका।

फटन स्त्री. (देश.) फटने की क्रिया या भाव, किसी वस्तु में फटने से पड़ी दरार।

फटना अ.क्रि. (देश.) 1. आघात लगाने से प्राकृतिक रूप से या अन्यथा किसी वस्तु का बीच में टूटना या उसमें दरार पड़ना, विदीर्ण होना, चिरना, आंशिक रूप से खंडित होना 2. किसी वस्तु का कोई भाग अलग हो जाना, किसी वस्तु का बीच से कटकर छिन्न-भिन्न हो जाना, बिखरना, दूध का इस तरह खराब हो जाना कि उसका पानी अलग हो जाए और शेष तत्व अलग 3. अत्यधिक मात्रा में उपलब्ध होना 4. बहुत पीड़ा होना 5. विस्फोट से किसी वस्तु का तेज आवाज सहित विच्छिन्न होना, विकृत हो जाना 6. एकाएक गुस्सा करना, सहसा आगमन।

फटफटाना स.क्रि. (देश.) 1. फट-फट ध्वनि करना 2. बकवास करना 3. दौड़-धूप करना, हाथ-पैर

मारना, प्रयास करना, इधर-उधर टक्कर मारना 4. व्यर्थ की बातें करना।

फटफटिया स्त्री. (देश.) 1. जिससे फट-फट की ध्वनि निकलती हो 2. पिछले जमाने की मोटर-साइकिल, मोटर-साइकिल के इंजन वाली चार टायरों वाली गाड़ी।

फटहा वि. (देश.) 1. फटा हुआ 2. गाली-गलोज करने वाला, लुच्चा, अंट-संट बकने वाला वि. 1. जो फट गया हो, जो बहुत बुरी हालत में हो 2. भय या आश्चर्य से भरी दृष्टि, भाव-शून्य।

फटा पुं. (देश.) 1. छिद्र, छेद 2. साँप का फन 3. घमंड, शेखी, छल।

फटाका पुं. (देश.) 'फट' की तेज आवाज, फटाक, पटाखा।

फटाफट क्रि.वि. (देश.) फट-फट की ध्वनि करते हुए, जल्दी-जल्दी, शीघ्र, तुरंत, फौरन।

फटिक पुं. (तद्.) स्फटिक, एक सफेद पारदर्शी पत्थर, संगमरमर, बिल्लौर, सूर्यकांत मणि, फिटकरी, कपूर।

फटिका स्त्री. (तद्.) 1. फिटकरी 2. एक तरह की शराब जो जौ आदि की खमीर से तैयार की जाती है, गुलेल की डोरी के बीच का वह भाग जिसमें पत्थर या गोली रखकर उसे फेंका जाता है।

फटीचर वि. (तद्.) 1. निर्धन, जो फटे-पुराने कपड़े पहने रहता हो, भद्दी आकृति वाला 2. तुच्छ, हेय।

फट्ठा पुं. (देश.) 1. टाट, फड 2. लकड़ी या बाँस आदि का चिरा हुआ छोटा तख्ता, फलटा।

फड़ पुं. (तद्.) 1. वह वस्त्र जिसे दुकानदार सामान रखने के लिए भूमि पर बिछाते हैं, माल खरीदने और बेचने की जगह 2. बिछावन 3. जुए का अड्डा, जुआ/चौपड़ आदि खेलने का स्थान, जुआघर, कभी-कभी शराब पीने की बिसात या नशा करने की जगह 4. समूह, ईंट पाथने की समतल जगह 5. कोल्हू के पास गन्ने रखने का स्थान 6. प्रतियोगिता का स्थान, रणभूमि, लड़ाई